>

Title: Need to address the problem of unemployment in the country.

श्री हंसराज गं. अहीर (चन्द्रपुर): देश में बेरोजगारी एक ज्वलंत मामला बनता जा रहा है । सूचना तकनीक तथा उच्चतर शिक्षा को छोड़ अन्य क्षेत्रों में रोजगार सृजन नहीं होने से शिक्षित युवा बेरोजगार, हताश और निराशा के गर्त में जी रहे हैं । भूमंडलीकरण की नीति अपनाने के बाद सरकार की प्राथमिकता बदली और सरकारी नौकरियां कम होने लगी साथ ही सार्वजनिक उपक्रमों के विनिवेश के कारण स्वेच्छा निवृत्ति के नाम पर मजदूर कटौती होने से बेरोजगारी में और बढ़ोतरी हुई है । कई सार्वजनिक उपक्रमों में उत्पादन बढ़ रहा है लेकिन मजदूर कम हो रहे हैं । अत्याधुनिक तकनीक के नाम पर कामगार कटौती से बेरोजगारी दिन-प्रतिदिन बढ़ रही है । हमारे देश में रोजगार सृजन की बड़ी आवश्यकता है । हमारे देश में अकूत खनन सामग्री और प्राकृतिक संसाधन है, इसको विकास का आधार बनाकर हम स्थानीय स्तर पर बड़े पैमाने पर रोजगार सृजित कर सकते हैं । खनन सामग्री का उत्खनन और इसके आधार पर कारखानों के द्वारा उत्पादन कराकर हम स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध करा सकते हैं । आज हम विश्व के सबसे बड़े युवा संख्या वाले देश बने हैं, इस बढ़ती युवा आबादी के हाथ को रोजगार उपलब्ध कराने का दायित्व हमारा है । सरकार रोजगार सृजन के लिए नए कदम उठाकर रोजगारपरक कार्यक्रम बनाने के लिए आगे आए । शिक्षा-दीक्षा की अवधि भी बढ़ गई है । बेरोजगार युवाओं को शिक्षा की सुविधा तथा व्यवसाय प्रशिक्षण और व्यवसाय के लिए ऋण भी उपलब्ध कराना होगा । उनको नौकरी अन्य रोजगार या व्यवसाय उपलब्ध नहीं होता तब तक आजीविका के लिए रोजगार भत्ता देने का प्रावधान होना चाहिए । बेरोजगार परिवार का बोझ न बने इसलिए आवश्यक बेरोजगारी भत्ता देने की मैं सरकार से मांग करता हूं । बेरोजगारों में व्यापक हताशा और असामाजिक तत्वों द्वारा अनुचित फायदा लेने के उजागर मामलों को देखते हुए युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार देने के लिए मैं सरकार से विशेष अभियान चलाए जाने की मांग करता हूं।